Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 03-03-2006
Participants : Singh Shri Ganesh,Atwal Shri Charnjit Singh

>

Title : Need to provide assistance to farmers in view of damage of crops and severe water crisis in Satna and Katni districts of Madhya Pradesh.

श्री गणेश सिंह (सतना) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, तीन दिन तक लगातार नोटिस देने के बाद आज आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता cÚÆ[r18]।

मध्य प्रदेश का किसान लगातार प्राकृतिक आपदाओं से भयंकर रूप से परेशान है। आज की तारीख में पूरे राज्य भर में किसानों की फसलें अलग-अलग कारणों से नट हुई हैं, किसानों की फसलें ओलावृटि से बुरी तरह से नट हुई है। उसके चलते किसानों का भारी नुकसान हुआ है। मध्य प्रदेश में रबी सीजन की फसलों को प्र ाकृतिक कारणों से भारी नुकसान हुआ है। दलहन एवं तिलहन की फसलों में तापमान में हुए बदलाव से मसूर, अलसी, चना की फसलें नट हो गई हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र सतना में मसूर, अलसी की फसलों में माहू कीड़े के लगने से 14,000 हेक्टेअर क्षेत्र में बोई हुई फसलें पूरी तरह से नट हो गई हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि तत्काल नट हुई फसलों का सर्वे कराया जाए और केन्द्रीय अध्ययन दल भेजा जाए तथा किसानों को सहायता पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। साथ ही मैं यह भी बताना चाहता हूं कि कल दस जिलों में ओलावृटि से सागर, होशंगाबाद, विदिशा, जबलपुर, दमोह नरसिंहपुर और छतरपुर में भी ओलावृटि से किसानों की गेहूं, चना की फसलें नट हो चुकी हैं। हमारी राज्य सरकार ने 24 घंटे का समय दिया है और वह उसका सर्वे करा रही है। मैं केन्द्र सरकार से मांग करूंगा कि केन्द्रीय अध्ययन दल भेजकर मध्य प्रदेश के किसानों पर जो प्राकृतिक आपदा आई है, उसमें केन्द्र सरकार मदद करे।

पूरे राज्य भर के कई जिलों में पेयजल का संकट उत्पन्न हो चुका है। कम वार्ा के कारण जल स्तर काफी नीचे चला गया है। मैं चाहूंगा कि केन्द्रीय अध्ययन दल जाए तथा पेयजल की समस्या का 2A अध्ययन करे और मध्य प्रदेश को पूरी मदद पहुँचाई जाए ।

उपाध्यक्ष महोदय श्री कृणा मुरारी मोघे, श्री विजय कुमार खंडेलवाल, श्री अशोक अर्गल और डा. राम लखन सिंह जी के नाम भी श्री गणेश सिंह जी के इश्यू के साथ एशोसिएट कर दिए जाएं।

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) उपाध्यक्ष महोदय, जैसा कि पूरा सदन जानता है,...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय आप स्लिप भेज दें, हम बाद में एशोसिएट कर देंगे।

...(<u>व्यवधान</u>)

उपाध्यक्ष महोदय : गंगवार जी, जो आप कहना चाहते हैं, आप शैलेन्द्र कुमार जी की बात सुनिए।